P-520

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-201

जातकशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

Bachelor of Arts (BA)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. पाठ्यक्रमानुसार ग्रहों के बलों के साधन विधि को प्रमाणपूर्वक प्रदर्शित कीजिए।

2. पंचांग के 5 अंगों का परिचय देते हुए पंचांग के फलों को लिखिए।

3. द्वादश भावों का परिचय देते हुए प्रत्येक भावों द्वारा विचारणीय विषयों को स्पष्ट कीजिए।

4. द्वादश राशियों के स्वामियों का वर्णन करते हुए राशियों का वर्ण, पुरुष-स्त्री संज्ञा, चर-स्थिर-द्विस्वभाव संज्ञाओं के विषय में लिखिए।

5. विंशोत्तरी दशा आनयन विधि का वर्णन करते हुए स्वकल्पित उदाहरण द्वारा दशा आनयन विधि प्रदर्शित कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. द्वादश भावों के कारकत्व तथ्यों को सप्रमाण स्पष्ट करें।

2. भावों के बल ज्ञात करने की विधि को परिभाषित कीजिए।

3. ज्योतिष शास्त्रोक्त प्रमाण देते हुए सूर्यादि ग्रहों के मित्र-शत्रु-सम भेद को सारिणी द्वारा स्पष्ट कीजिए।

4. ग्रहों के दृष्टि विचार विधि को प्रदर्शित करते हुए स्व कल्पित उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

5. विविध स्थानों में स्थित प्रथम-द्वितीय-तृतीय भाव के स्वामियों के शुभाशुभ फलों को लिखिए।

6. प्रथम-पंचम-नवम भावों में स्थित सूर्यादि ग्रहों के शुभाशुभ फलों को लिखिए।

7. अष्टोत्तरी दशा साधन विधि को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. योगिनी दशा साधन विधि को स्पष्ट करते हुए स्व कल्पित उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।